Shri Sant Gadge Baba Hindi Mahavidyalaya, Bhusawal

Dr. SUDHIR N. SHARMA

Assistant Professor in Political Science, Shri Sant Gadge Baba Hindi Mahavidyalaya, BHUSAWAL, Dist. Jalgaon

Papers Published in Journal

Sr. No.	Name of Author	First Author or Second	Title of Paper	ISSN No.	Impact Factor Name and Marks	Publisher	National / International	Whether UGC Approved Yes /No	Whether Peer Reviewed Yes /No	Month and Year of Publication	Issue / Volume	Direct Link to Download
2018-19												
1	Dr. Sudhir N. Sharma	First Author	लैंगिक समानता व स्त्री समानता	ISSN NO.-2348-7143	(SJIF)-6.261 (CIF)-3.452 (2015) (GIF)-0.676 (2013)	DEPT. OF Humanities SMT PK Kotecha Mahila Mahavidyalay Bhusawal .	International	Yes	Yes	Mar-19	Issue 173	https://www.researchjourney.net/special-issues

Shri Sant Gadge Baba Hindi Mahavidyalaya, Bhusawal

Dr. SUDHIR N. SHARMA

Books / Chapter in Books Published

Sr. No.	Name of Author	First Author or Second	Title of Book	Chapter in Book	ISBN No.	Publisher	National / International	Month and Year of Publication	Issue / Volume	Direct Link to Download
2019-20										
1	Dr. Sudhir N. Sharma	First Author	भारतातील राजकीय व सामाजिक चळवळी	Opniveshik Kal Ke Samajik , Dharmik Sudhar aur Parinam	ISBN No. 13:978-93-88544-74-0	Atharva Publications Dhule	National	Aug-19	Issue 683 vol-1	NO

Impact Factor – 6.261

ISSN – 2348-7143

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

International E-Research Journal

PEER REFREED & INDEXED JOURNAL

March-2019 Special Issue – 173

Gender Sensitization: An Imperative Need of the Hour

Guest Editor:
Dr. Mangala Sabdra
Principal,
Smt. P.K.Kotecha Mahila Mahavidyalaya, Bhusawal
Tal. Bhusawal, Dist. Jalgaon [M.S.] India

Executive Editor of the issue:
Dr. Shilpa C. Patil
Dr. Sopan Borate
Mr. Nilesh S. Guruchal
Dr. Girish S. Koli

Guest Editor:
Dr. Dhanraj Dhnagar (Yeola)

This Journal is indexed in :
- University Grants Commission (UGC)
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmoc Impact Factor (CIF)
- Global Impact Factor (GIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)

For Details Visit To : www.researchjourney.net

SWATIDHAN PUBLICATIONS

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

INDEX

No.	Title of the Paper	Author's Name	Page No.
1	Gender Equality Attitude among College Students	Dr. Shailaja Bhanghale	05
2	Gender Sensitization : An Imperative Need of the Hour (A Study of Gender Sensitization Between The B.Ed. Students)	Dr. Shashikala Magare	08
3	Magda, A Victim of Gender Discrimination in J. M. Coetzee's "In the Heart of the Country"	Mrs. Anjali Patil	12
4	Prevention, Prohibition and Redressal of Sexual Harassment of Women at Workplace act 2013 during the Post-Liberalized Era: Analysis from Feminist Perspective	Surendra Jadhav	16
5	Spatial Distribution of Sex Ratio in Buldhana District	Dr. Shilpa Patil	23
6	Issues and challenges of Gender Sensitization	Mrs. Pradnya Sathe	27
7	Issues and Challenges of Gender Sensitization	Ayesha Basit	30
8	The Third Gender : Invisible Issues	Dr. V. S. Patil & Dr. S. P. Zanke	33
9	Gender Equity for Peace and Prosperity	Madhuri Bhutada	36
10	Gender Equality and Women Empowerment through ICT	Dr. Anjali Kulkarni	39
11	Graphology to Diagnose Stress among Girl Students	Mrs. Jyotsna Palekar	41
12	Gender Sensitization in Thomas Hardy's *'Tess of the D'Urbervilles'*	Mr. Nilesh Guruchal	48
13	Gender Sensitization through Literature and Media	Dr. Smita Chaudhari	52
14	कामाच्या ठिकाणी होणारा महिलांचा लैंगिक छळ : स्वरूप व तरतुदी	डॉ. नाना लांडगे	56
15	महिला संवेदिकरण आणि उच्च शिक्षण : विशेष संदर्भ खान्देश	सौ.मनीषा चौधरी, प्रा. श्रीराम जोशी	61
16	ताण व्यवस्थापन	प्रा. छाया ठिगळे	66
17	स्त्रीत्वाचे अभान- महिला सक्षमीकरणातील एक प्रमुख अडथळा	डॉ. सोपान बोराटे	69
18	स्त्रियांवरील कौटुंबिक अत्याचार व कायदे	श्रीमती. रेखा देवकर	72
19	शिक्षण आणि लिंग समभाव	सतीश पारधी	77
20	कार्यालयीन तणावाचे व्यवस्थापन	प्रा. शुभांगी राठी	80
21	स्त्री पुरुष समानतेविषयी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांचे विचार	प्रा. दिपाली पाटील	86
22	लिंग समभाव जाणीव काळाची गरज	प्रा. नीता चोडिया	90
23	संगीताद्वारे तणावमुक्ती : एक अभ्यास	राजश्री देशमुख	94
24	मराठी स्त्रीवादी साहित्याची तात्त्विकता आणि वाटचाल	भारती सोनवणे, डॉ. धनराज धनगर	98
25	महिला आणि ताण व्यवस्थापन	सरिता आढाळे	105
26	लिंगभेदीय पुमंवादी विमर्श	डॉ.पूनम त्रिवेदी	107
27	लैंगिक असमानता और महिला शिक्षा	डॉ.सुधीर शर्मा	111
28	लिंग आधारित संकल्पना और भारत : समस्या एवं निदान 'एक विहंगावलोकन	प्रा. अनुपम शर्मा	114
29	सहज योग द्वारा तनाव मुक्ति	डॉ. रूपाली चौधरी	118
30	हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त किन्नर विमर्श	डॉ.गिरीश कोळी	122

- Founder -

Late. Motibhau Kotecha

Shri Saraswati Vidya Prasarak Mandal's

Smt. P. K. Kotecha Mahila Mahavidyalaya, Bhusawal.

NAAC Accredited B + (3rd Cycle)

National Seminar

on

Gender Sensitization: An Imperative Need of the Hour

(GSINH - 2019) 11th March 2019

CERTIFICATE

This is to certify that, Prof. / Dr. / Mr. / Mrs. / Miss. Sudhir N. Sharma

of S. S. G. B. Hindi Mahavidyalaya, Bhusawal has participated / worked as

Resource Person / Session Chair. / Paper presented entitled

लैंगिक स्वतंत्रता और स्त्री शिक्षा in the National Seminar, Sponsored by

K.B.C. North Maharashtra University, Jalgaon and Organized by Department of Humanities, Smt. P. K. Kotecha Mahila Mahavidyalaya, Bhusawal Dist. Jalgaon (M.S.) held on 11th March 2019.

Dr. Shilpa C. Patil
Co-ordinator

Dr. Mangala A. Sabadra
Principal

अथर्व पब्लिकेशन्स

भारतातील राजकीय व सामाजिक चळवळी
Political and Social Movements in India

© सर्व हक्क

ISBN 13 : 978-93-88544-74-0
पुस्तक प्रकाशन क्र. ६८३

प्रकाशक
युवराज भटू माळी

अथर्व पब्लिकेशन्स
धुळे : १७, देवीदास कॉलनी, वरखेडी रोड, धुळे ४२४००१.
संपर्क : ९४०५२०६२३०
जळगाव : तळमजला, ओम हॉस्पिटल, अँग्लो उर्दू हायस्कूलजवळ, ढाके कॉलनी, जळगाव ४२५००१. **संपर्क :** ०२५७-२२३९६६६, ९७६४६९४७९७
ई-मेल : atharvapublications@gmail.com
वेबसाईट : www.atharvapublications.com

प्रथमावृत्ती : १०/०८/२०१९
अक्षरजुळवणी : अथर्व पब्लिकेशन्स

मूल्य : ₹ ९९५/-

विद्याभारती शैक्षणिक मंडळ अमरावती संचलित संत मुक्ताबाई कला आणि वाणिज्य महाविद्यालय, मुक्ताईनगर येथे दिनांक १०/०८/२०१९ रोजी झालेल्या एकदिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्रातील निवडक लेख

या पुस्तकात समाविष्ट लेखांचे हक्क ज्या-त्या लेखकाकडे असून त्यांच्या मताशी मुख्य संपादक, संपादक मंडळ, प्रकाशक सहमत असतीलच असे नाही. सर्व हक्क राखून ठेवले आहेत.

ओपनिवेश काल के सामाजिक धार्मिक सुधार और परिणाम

- प्रा. डॉ. सुधीर एन. शर्मा
सहा. प्राध्यापक राज्यशास्त्र
श्री संत गाडगेबाबा हिंदी महाविद्यालय, भुसावल, जि.जलगाँव (महा.)

१८ वीं और १९ वीं शताब्दी के धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलनों ने संपूर्ण भारतीय समाज में एक नई राष्ट्रीय चेतना का सूत्रपात किया । जिस प्रकार १६वीं शताब्दी में यूरोप में हुए पुनर्जागरण और सुधार आंदोलनों ने यूरोप के धर्म, समाज, साहित्य, कला आदि सभी को प्रभावित करते हुए व्यापक परिवर्तन की आधारशिला रखी । उसी प्रकार आधुनिक शिक्षा और ब्रिटिश शासन काल में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सुधारों के परिणामस्वरूप भारत में भी १९वीं शताब्दी में पुनर्जागरण और सुधार आंदोलनों में का एक महत्वपूर्ण दौर प्रारंभ हुआ । जिसने भारतीय जनजीवन के सभी क्षेत्रों में अमूलचूल परिवर्तन किया । आडंबर, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियां भारतीय जीवन का अंग बन गए थे । जिससे भारतीय समाज पतन की कगार पर खड़ा था। निरक्षरता, सती-प्रथा, बाल-हत्या, सांप्रदायिकता, अस्पृश्यता, मानसिक जड़ता, मद्यपान, दलित उत्पीड़न , सामाजिक, धार्मिक भेदभाव, भिखारियों की बहुलता, विधवाओं के साथ अमानवीयता आदि कई दोषों से भारतीय समाज बुरी तरह प्रभावित था । सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन में पतनशील भारतीय समाज में पुनर्जागरण और परिवर्तन की एक व्यापक लहर को जन्म दिया ।

यूरोप से प्रारंभ हुई नवीन बौद्धिक लहर में तर्कवाद, विज्ञानवाद और मानवतावाद की भावनाओं को जन्म दिया । राजा राममोहन राय जैसे व्यक्तित्व पुनर्जागरण के अग्रदूत बने । पाश्चात्य शिक्षित भारतीय नेताओं ने नवीन अवधारणाओं से प्रभावित होकर हिंदू मुस्लिम तथा अन्य धर्मों में सुधार का एक व्यापक दौर प्रारंभ हुआ । आडंबर और अंधविश्वास का स्थान तर्कवाद और वैज्ञानिक अन्वेषण की भावना ने ग्रहण किया, जिससे भारत में धर्मनिरपेक्षता, मानवतावाद और राष्ट्रवाद जैसे विचारों की लहर उत्पन्न हुई । ये सुधार दो प्रकार के थे । जिसमें एक और ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज और अलीगढ़ आंदोलन थे । जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में सुधार का प्रयत्न किया पुर्ननवीकरणीय आंदोलन थे । जिनका मुख्य उद्देश्य अपने पक्ष का पुनरुद्धार करना था । सामाजिक सुधारों को भी इस व्यापक पहल से सती, शाश्वत व भव्यता देवदास जैसी घृणित प्रथायें समाप्त हो गई ।

राजाराम मोहन राय द्वारा ब्रह्म समाज सुधार आंदोलन था, जिसने बहू देवता, मूर्ति-पूजा और वर्ण व्यवस्था पर तीखे प्रहार किए । ब्रह्म समाज ने बहु-

विवाह, सती-प्रथा, बाल-विवाह तथा पर्दा-प्रथा को समाप्त करने के लिए और विधवा विवाह और स्त्री शिक्षा के लिए प्रयत्न किया । ब्रह्म समाज ने हिंदू धर्म मानने वालों के मध्य आधुनिकतावाद का बीजारोपण किया । ब्रह्म समाज की विचारधारा से प्रभावित होकर महाराष्ट्र में १८६७ ई. में प्रार्थना समाज की स्थाए पना हुई । जिसके प्रमुख नेता महादेव गोविंद रानाडे थे । प्रार्थना समाज में जाति प्रथा का विरोध विवाह की आयु बढ़ाना विधवा पुनर्विवाह और स्त्री शिक्षा का समर्थन किया प्रार्थना समाज द्वारा स्थापित दलित जाति मंडल का समाज सेवा संघ ने प्रशंसनीय कार्य किया है । १८७५ में महर्षि दयानंद द्वारा आर्य समाज की स्थापना की गई जिसका मुख्य उद्देश्य वैदिक धर्म की शुद्धता को स्थापित कर झूठे धार्मिक विश्वासों को उखाड़ फेंकना था । आर्य समाज में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार पर बल देते हुए स्त्री-पुरुष समानता, भाईचारा, एकेश्वरवाद तथा प्रेम की भावना पर बल दिया । आर्य समाज का राष्ट्रवाद के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान रहा । रामकृष्ण आंदोलन ने हिंदू धर्म को एक नवीन सामाजिक उद्देश्य प्रदान किया । स्वामी विवेकानंद नैतिकता और आध्यात्मिक बाद के बीच एक स्वस्थ्य संतुलन स्थापित किया। निर्धनों के शोषण पर प्रहार करते हुए स्वामी विवेकानंद ने भारतीयों में आत्म गौरव की भावना जागृत की । थियोसोफिकल सोसायटी ने हिंदू पुनर्जागरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

हिंदू धर्म में सुधार आंदोलनों के साथ-साथ मुस्लिम धर्म में भी कई सुधार आंदोलन प्रारंभ हुए । बहावी आंदोलन एक पुनर्जागरण वादी आंदोलन था, जिसने मुसलमानों के रीति-रिवाजों पर और मान्यताओं में आई, कूरीतियों और दोषों की ओर ध्यान दिया तथा इस्लाम के चार प्रमुख न्यायशास्त्रों में सामंजस्य पर बल दिया । वलीउल्लाह इसके प्रमुख नेता थे । अलीगढ़ आंदोलन ने भी मुसलमानों के दृष्टिकोण को आधुनिक बनाने का प्रयत्न किया । १८७५ ई. में सर सैयद अहमद खान ने अलीगढ़ में मुस्लिम एगंलों ओरिएंटल स्कूल की स्थापना कर मुस्लिम समुदाय के धार्मिक तथा सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बना दिया । उन्होंने पीरीमुरीदी की प्रथा समाप्त करने का प्रयत्न किया । अलीगढ़ आंदोलन के विपरीत देवबंद आंदोलन की एक पुनर्जागरण आंदोलन था लेकिन जो पूर्णता मौलिक इस्लामिक शिक्षा का केंद्र था । जहां पश्चिमी शिक्षा वर्जित थी । इसके नेता मोहम्मद अल हुसैन ने राष्ट्रीय आकांक्षाओं और मुस्लिम निष्ठाओं में समन्वय स्थापित किया ।

सिख धर्म में भी सिंह समा आंदोलन ने गुरुद्वारा आदि में सुधार हेतु सत्याग्रह आंदोलन चलाया। पारसियों ने भी रहनुमाई मजायद्दीन सभा द्वारा कर्मकांड को सुधारते हुए पर्दा-प्रथा समाप्त कर स्त्री शिक्षा पर बल दिया ।

दादाभाई नौरुजी इसके अग्रणी नेता थे। पारसी लोग सुधारों के कारण भारतीय समाज का सबसे अधिक पश्चिमी प्रभावित पक्ष बन गया ।

परिणाम

१९ वीं शताब्दी में भारत में शुरू हुए विभिन्न सामाजिक और धार्मिक आंदोलनों ने विभिन्न संप्रदायों में फैली कुरीतियों पाखंड, आडंबर और अंधविश्वास को दूर करते हुए उन्हें तर्क आधारित और मानवतावादी स्वरूप देने की प्रयास किया । इन आंदोलनों के परिणाम स्वरूप शिशु-वध, बाल-विवाह, पर्दा-प्रथा, सती-प्रथा, शाश्वत- वैधव्य प्रथा आदि अमानवीय प्रथा को समाप्त करने में सफलता प्राप्त हुई। मानसिक जड़ता , सामाजिक भेदभाव, छुआछूत जैसी प्रथाएं कमजोर पड़ने लगी तथा समाज में भाईचारे और समानता की एक नई पहल आरंभ हुई । इन सुधार आंदोलनों के परिणाम स्वरूप महिला और वंचितों की शिक्षा और समावेशन प्रक्रिया को बल मिलने लगा । नारायण गुरु, महात्मा फुले और डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा कई अन्य नेताओं ने वंचित वर्गों में शिक्षा और उन्नति की एक नई वैचारिक लहर को जन्म दिया । जिसने आधुनिक भारतीय समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया । इन्हीं धार्मिक सुधार आंदोलनों ने आधुनिक शिक्षा तथा समाचार पत्रों की भूमिका में सोए हुए पतनशील भारतीय समाज को जागृत किया और उसे आधुनिक विचारों से ओतप्रोत किया । जिसके परिणाम स्वरूप भारत में स्वतंत्रता और स्वराज्य प्राप्ति की चेतना का प्रादुर्भाव हुआ। जिसके कारण भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की नींव पड़ी और भारत सैकड़ों वर्षो की गुलामी की बेडियों को तोड़कर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन सका।

संदर्भ सूची

१. ग्रोबर बी.एल. यशपाल : आधुनिक भारत का इतिहास, यशचंद्र एंड कंपनी लि., नई दिल्ली २००२

२. डॉ. एस. के. : आधुनिक भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा २००७

३. विपिन चंद्र : भारत का स्वतंत्रता संग्राम, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय १९९६

Vidya Bharati Shaikshanik Mandal, Amravati's

SANT MUKTABAI ARTS & COMMERCE COLLEGE

Muktainagar, Dist – Jalgaon (MS) – 425306
Re – Accredited "B" Grade by NAAC (CGPA 2.87)
(36 Years of Service)

One Day National Level Conference on
Political & Social Movements in India
भारतातील राजकीय व सामाजिक चळवळी

CERTIFICATE

This is to certify that Mr/~~Miss~~/Prof/Dr. सुधीर एन. शर्मा

of श्री संत गाडगेबाबा हिन्दी महाविद्यालय भुसावळ जि. जळगाव

has actively participated in the National Level Conference on 'Political & Social Movement in India'- 'भारतातील राजकीय व सामाजिक चळवळी' organized by the Department of Political Science & History of Sant Muktabai Arts & Commerce College Muktainagar, on 10th August, 2019. He/She has presented/participated a paper entitled 'औपनिवेश काल के सामाजिक धार्मिक सुधार और परिणाम' in plenary session. His/Her participation is appreciated.

Dr. R. N. Shewale
Convener

Prof. P. M. Sonawane
Convener

Prof. L. B. Gaikwad
Academic Co-coordinator

Dr. I. D. Patil
Principal